दिनांक : 04 फरवरी 2014

एएपी–सफेद झूठ बोलने वाली पार्टी

– अरुण जेटली
राज्य सभा में विपक्ष के नेता

आम आदमी पार्टी के एक विधायक द्वारा बिना किसी प्रामाणिक सबूत के मेरा और श्री नरेन्द्र मोदी का नाम अनावश्यक विवाद में घसीटकर गैर जिम्मेदाराना बयान देना सिर्फ बकवास है। एएपी ने जो आरोप गढ़ा उसे आगे बढ़ाने के लिए उन्होंने मेरे घर के बाहर प्रदर्शन किया। मुझे यह कहने में जरा भी संकोच नहीं है कि एएपी झूठ बोलने वाली पार्टी है। वह झूठ का पुलिंदा बनाती है और खुद उसे सही साबित करना चाहती है।

सबसे पहले मैं मदन लाल नाम के विधायक के बयान की चर्चा करता हूं

- न तो नरेन्द्र मोदी को और न ही मुझे जानकारी है कि विधायक मदनलाल कौन है।
- उन्होंने दावा किया है कि 7 दिसम्बर 2013 को उनसे टेलीफोन पर बात की गई और मुझसे मिलने की पेशकश की गई।
- उन्हें उस आदमी का नाम नहीं मालूम जिसने उन्हें फोन किया था। न ही उन्हें यह मालूम है कि फोन किस नम्बर से आया था। उन्होंने अपना कॉल डेटा रिकॉर्ड भी नहीं देखा जिससे फोन करने वाले की पहचान हो सके अगर वाकई किसी ने फोन किया था।
- 7 दिसम्बर 201 को दिल्ली चुनाव के नतीजे भी घोषित नहीं हुए थे। मदनलाल उस समय विधायक नहीं थे। दिल्ली के अधिकतर लोगों ने यह कल्पना भी नहीं की होगी कि वह विधायक बन जाएंगे अथवा उनकी पार्टी को इतनी सीटें मिलेंगी। उनके विधायक चुने जाने से पहले संदिग्ध इरादे से कोई उन्हें फोन क्यों करेगा।
- उन्होंने यह भी दावा किया कि 10–12 दिन पहले गुजरात के एक व्यक्ति ने उन्हें बड़ी रिश्वत देने की पेशकश की।
- उन्हें उस व्यक्ति का नाम, उसकी हैसियत और उसका ओहदा नहीं मालूम जो उनके पास आया था।
- उसने अपनी पार्टी की सलाह नहीं मानी कि रिश्वत ले लो और रिश्वत देने वाले का स्टिंग ऑपरेशन कर लो।
- उसने 10 दिन चुप रहना ठीक समझा।
- दिलचस्प बात ये है कि मदन लाल की प्रेस कान्फ्रेंस से एक घंटा पहले एआईसीसी के महासचिव शकील अहमद ने कथित रिश्वत की इन घटनाओं के बारे में बयान दिया था।

उनके बयान से बेहूदगी झलकती है। तथ्य खुद ही बयां करते हैं। लेकिन एएपी सफेद झूठ बोल रही है, खुद ही उसे सही ठहरा रही है और आगे बढ़ा रही है चाहे यह बेतुका और झूठा क्यों न हो।

*****